SA1 (2015-16) उत्तर पत्रक

कक्षा छठी

खंड क–पठन

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

राज कृष्णदेव राय के दरबार में अनेक विद्वान थे। तेनालीरामन उन्हीं में से एक थे ।वे अपनी चतुराई के लिए बहुत प्रसिद्ध थे ।एक दिन की बात है - राज कृष्णदेव राय के दरबार में एक ब्राह्मण आए और उन्होनें महाराज से कहा कि महाराज !सुना है कि आपके दरबार में एक से बढ़कर एक विद्वान हैं । महाराज ने गर्व से सिर हिलाकर कि हमें अपने दरबरियों की बुद्धिमत्ता पर गर्व है।बाह्मण ने कहा कि आपके दरबारियों मे से कोई बता सकता है कि मेरी मातृभाषा क्या है और फिर उसने पहले तेलुगु में बोला और फिर तमिल पंजाबी हिन्दी कन्नड़ मलयालम मराठी और कोंकणी भाषा में बोला । वे जो भी बोलते लगता कि उनकी मातृभाषा है।सभी दरबारी चुप हो गए और कोई निर्णय न ले पाए तब महाराज ने तेनाली की तरफ देखा तेनाली ने कहा कि ब्राह्मण को कुछ दिनों के लिए अतिथिगृह में ठहराया जाए और मुझे उनकी सेव का मौका दिया जाए ऐसा ही किया गया एक दिन जब अतिथि पेड़ की छाया में विश्राम कर रहे थे तब तेनाली ने उनके पाव छूने के बहाने उनके पैर में काटा चुभा दिया और जब ब्राह्मण दर्द से छटपटाए तब तमिल भाषा में अम्मा अम्मा चिल्लाने लगे तेनाली ने तत्काल वैद्य को बुलकर उनका उपचार करवाया तथा क्षमा भी मागी अगले दिन दरबार में महाराज के सामने तेनली ने उत्तर दिया कि ब्राहमण की भाषा तमिल है । महाराज के कुछ कहने से पहले ही अतिथि ब्राहमण ने कहा कि तेनाली कमाल है तुमने बिल्कुल सही बताया और महाराज ने उपहार स्वरूप अपना कीमती हार उतारकर तेनाली को भेंट किया ।

1 तेनालीरामन कौन थे?

उ0 तेनालीरामन राज कृष्णदेवराय के विद्वानों में से एक थे।

2 राजा कृष्णदेवराय के दरबार में कौन आया और उसने क्या प्रश्न किया ?

उ0 राजा कृष्णदेवराय के दरबार में एक ब्राह्मण आए और उसने कहा कि आपके दरबारियों मे से कोई बता सकता है कि मेरी मातृभाषा क्या है ।

3 तेनाली ने प्रश्न का उत्तर न देकर क्या कहा?

उ0 तेनाली ने कहा कि ब्राह्मण को कुछ दिनों के लिए अतिथिगृह में ठहराया जाए और मुझे उनकी सेवा का मौका दिया जाए ।

4 तेनाली ने प्रश्न का उत्तर जानने के लिए क्या किया?

उ0 एक दिन जब अतिथि पेड़ की छाया में विश्राम कर रहे थे तब तेनाली उनके पाव छूने के बहाने उनके पैर में काटा चुभा दिया और जब ब्राह्मण दर्द से छटपटाए तब तमिल भाषा में अम्मा अम्मा चिल्लाने लगे।

5 महाराज ने प्रसन्न होकर क्या किया?

उ0 महाराज ने उपहार स्वरूप अपना कीमती हार उतारकर तेनाली को भेंट किया ।

6 विलोम शब्द लिखो   कीमती, विद्वान ।

घटिया, मूर्ख

7 समानार्थी लिखो माँ   जननी

8 गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दो।

चतुर तेनाली

खंड ख भाषा

संस्कृत भाषा के वे शब्द जिनका हिन्दी में उसी रूप में प्रयोग किया जाता है उन्हें क्या कहते है उदाहरण सहित लिखें।

ततसम शब्द कहते है।जैसे रात्रि,सूर्य।

निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करते हुए उनके भेदों के नाम लिखिए ।

1जिसने बुलाया था वह नहीं आया।

2हेमा किसके साथ जाएगी।

3 मैंने अपना कुरता स्वयं सिला।

4 वहा कुछ गिरा पड़ा है।

निम्नलिखित शब्दों के वर्ण विच्छेद कीजिए।

प्रयोग अध्यापिका

प् +र्‌ +अ +य्‌ +ओ +ग्‌ +अ।

अ +ध् +य् +आ +प्+ इ+क्+ आ

संज्ञा के कितने भेद होते है उदाहरण सहित लिखें।

तीन व्यक्तिवाचक राम गीता जातिवाचक भाववाचक

निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर विराम चिह्न लगाएँ

1 उफ़! गरमी के मारे मेरी जान निकल रही है।

2 "रामचरितमानस "तुलसीदास की अमर कृति है।

निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग करें कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाएः

1कान खड़े होना - चौकन्ना होना

2घी के दीए जलाना - बहुत खुश होना

3 दाल न गलना-बात न बनना

उचित विभक्ति लगाकर वाक्य दोबारा से लिखें।

1राधा माया घड़ी दी।

ने

2मेज गिलास रखा है।

पर

भाषा के कितने रूप होते है उदाहरण सहित लिखें।

मौखिक और लिखित समाचार पढ़ना, पैकेटों पर लिखे नाम।

खण्ड ग

निम्नलिखित गदंयाश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देः

गरमी के दिन थे। बाबू जी दफतर गए हुए थे। अम्मॉ दोनो बच्चों को सुलाकर खुद सो गई।लेकिन बच्चों की ऑखों में आज नींद कहॉ। अम्मॉ जी को बहलाने के लिए दोनों दम रोके ऑख बंद किए मौके का इतंजार कर रहे थे।

1गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखो ।
उ0 नादान दोस्त और प्रेमचंद
2 गद्यांश में किसके विषय में बात हो रही है।
उ0 दोनों बच्चों के विषय में बात हो रही है।
3 दोनों बच्चे किस मौके का इतंजार कर रहे थे।
उ0 दोनों बच्चे माँ के सोने का इतंज़ारक र रहे थे।
लेखिका को शिमला रिज़ की याद क्यों आती है?
उसने शिमलारिज पर बहुत मजे किए । उसकी याद उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अध्याय है।घोड़ों की सवारी,जाखू का पहाड़ पर गूँगती धंटियाँ । अँधेरा होने पर बत्तियों काी रोशनी मे रिज की रोनक देखते ही बनती है।
अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे?
अंडों के बारे में दोनों के मन में यही सवाल उठते थे कि अंडे कितने होंगे ,कैसे होंगे,उनमें से बच्चे कब निकलेंगे।
"तुम्हें बताऊँगी कि हमारे और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है " इसके लिए पाठ में आए दो उदाहरण लिखें।
इसका उदाहरण लेखिका ने शरबत कोक ,पेपसी में और
चिड़िया ने कहॉ और कितने अंडे दिए थे
चिड़िया ने कार्निस पर तीन अंडे दिए।
लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या क्या करती थीं
अपने मोजे धोती थी । धो लेने के बाद अपने जूते कपड़े या ब्रश से रगड़कर चमकाती थी।
श्यामा ने क्या सोचकर मॉ से केशव की शिकायत की ?

निम्नलिखित पद्यांश को प्रश्नों के उत्तर दो ः
मेहनत अपने हाथ की रेखा मेहनत से क्या डरना।
अपना दुख भी एक है साथी अपना सुख भी एक।
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल अपना रस्ता नेक।
1 हमारा भाग्य क्या है?
मेहनत ही है।
2 'लेख' और 'नेक' शब्दों का अर्थ लिखें।
भाग्य अच्छा
4 कविता का नाम लिखें।
5 साथी हाथ बढ़ाना
कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है ।
तााकि वह लंबे समय तक माँ का लाड और प्यार पा सके।
'वह चिड़िय जो' कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन किन चीजों से प्यार है
चिड़िया को अन्न विजन और वदी से ब्हुत प्यार है।
बड़े होने पर मॉ के व्यवहार में क्या परिवर्तन आ जाता है
बड़े होने पर माँ नहला ध्ुलाकर तैयार कर देती है और पहले की तरह हर समय साथ नही

रहती।

भाव स्पष्ट करें " चढ़ी नदी का दिल टटोलकर ,जल का मोती ले आती है।"
चिड़िया जल से बरी उफनती हुई नदी स्के बीच से अपनी चोंच में पानी क बूँद लेकर उड़ जाती है। मानो नदी के हृदय से मोती लेकर उड़ी जा रही हो ।

पूरक पुस्तिका पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें ः
राजकुमारों के जन्म पर नगर का माहौल कैसा था
चारों ओर खुशियाँ ताथा मंगल गीत गाए जाा रहे थे।नगर में बधाइयाँ,उत्सव जैसा माहौल दूर दूर से लोग आए ।
विश्वामित्र की बात सुनकर राज दशरथ की क्या दशा हुई
वे एकदम मूर्च्छित हो गए तथा होश आने पर भी राम कले वि षय में ही सोचतो रहो।पुत्र वियोग की आशंका से काँपा उठे। द्याह राम से बहुत स्नेह करते थे। उसके बिना जीने की कल्पना भी नही कर सकतो थे।

खंड क–पठन

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अपने लक्ष्य को पाने के लिए सबसे बड़ी ज़रूरत है इच्छा शक्ति की। मन को किसी एक काम में बॉधकर रखना इच्छा शक्ति है। इच्छाशक्ति से ही बड़े से बड़े काम किए जा सकते है। पॉडवों और कौरवों में सभी बड़े अच्छे तीरंदाज थे लेकिन उनमें अर्जुन श्रेष्ठ थे क्योंकि जब भी वे तीर चलाते थे तो उन्हें लक्ष्य के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं देता था। इच्छा शक्ति बढ़ाने के लिए समय सारिणी के अनुसार कार्य करने चाहिए । खेलने के समय खेलना पढ़ने के समय पढ़ना और टी0 वी0 देखने के लिए निश्चित समय में टी0 वी0 के कार्यकम देखना । इस प्रकार निर्धारित समय पर काम करने से इच्छा शक्ति बढ़ेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यालय में भी समय के अनुसार काम किया जाता है ताकि हम अपने पर काबू रख सकें और अपने लक्ष्य को पा सकें । हमें खेलने के समय खेलना चाहिए और मन लगाकर खेलना चाहिए । इसी प्रकार पढ़ने के समय मन लगाकर पढ़न चाहिए ।

1 अर्जुन कुशल तीरंदाज़ कैसे बने

2 समय का सदुपयोग करने से क्या क्या लाभ है

3 इच्छा शक्ति बढ़ाने के लिए हमें क्या करना चाहिए

4 अपने लक्ष्य को पाने के लिए क्या आवश्यक है

5 गद्यांश में से दो विशेषण शब्द ढूढ़कर

6गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दे।

7 वाक्य बनाओ अभ्यास

उ**0 1** अर्जुन कुशल तीरंदाज बने क्योंकि जब भी वे तीर चलाते थे तो उन्हें लक्ष्य के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं देता था।

उ**0 2** समय पर काम करने से इच्छा शक्ति बढ़ेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यालय में भी समय के अनुसार काम किया जाता है ताकि हम अपने पर काबू रख सकें और अपने लक्ष्य को पा सकें ।

उ**0 3**खेलने के समय खेलना पढ़ने के समय पढ़ना और टी0 वी0 देखने के लिए निश्चित समय में टी0 वी0 के कार्यकम देखना । इस प्रकार निर्धारित समय पर काम करने से इच्छा शक्ति बढ़ेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

निम्नलिखित मुहावरें से इस प्रकार वाक्य बनाओ कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए ः

1 आपे से बाहर होना

2 घी के दिए जलाना

बहुत कोधित होना

भहुत खुश होना

निम्न शब्दों में तत्सम और तद्भव शब्द अलग करके लिखें

काम सत्य पंच अर्ध।

कर्म सच पाँच आधा

कारकों का प्रयोग करते हुए दो वाक्य लिखें।वाक्यों में कारक रेखांकित भी करें।

निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम रेखांकित करते हुए भेद का नाम लिखे।

1 दरवाजे के पास कौन खड़ा है।

2 इसने ही गमला तोड़ा था।

3 उसका नाम सोमेश है।

कौन   इसने उसका

निम्न विराम चिह्नों को पहचान कर उनके नाम लिखेंः

( )   ,   “ ” !

निम्नलिखित में वर्ण संयोग करके शब्द बनाइए ः

1अ+ ध +   य् + आ+ प् + इ+ क् + आ।

2 व्+ ऐ+ ग्+ य्+ आ+ न्+ अ ।

अध्यापिका   वैज्ञानिक

किसी भाषा को लिखने का ढंग कहलाता है उदाहरण सहित लिखें।

लिपि हिन्दी देव नागरी

संज्ञा के कितने भेद होते है।

तीन व्यक्ति वाचक जातिवाचक भाववाचक

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देः

चना जोर गरम और अनारदाने का चूर्ण ! हॉ चना जोर गरम की पुडिया जो तब थी वह अब भी नजर आती है।पुराने कागजों से बनी हुई इस पुडिया में निरा हाथ का कामल है।नीचे से तिरछी लपेटते हुए ऊपर से इतनी चौड़ी कि चने आसानी से हथेली तक पहुॅच जाएॅ।

1 पाठ का नाम बताएॅ।

2 पुड़िया की क्या विशेषता थी

3 पुड़िया किस चीज से बनाई गई थी

बचपन पाठ का नाम है।

2 नीचे से तिरछी लपेटते हुए ऊपर से इतनी चौड़ी कि चने आसानी से हथेली तक पहुॅच जाएॅ।

3 पुराने कागजों से बनी हुई पुडिया थी।

शनिवारी दवा कौन सी थी

ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल

अंडों की हिफाजत के लिए केशव और श्यामा ने क्या क्या प्रयास किए ।

उन्होंने उनके नीचे गद्दी बिछा दी। टोकरी को तिरछा करके टहनी से टिकाकर छाया कर दी। पप्याली में दाना पानी रख दिया।

लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा चश्मा लगाने पर उसके चचेरे भाई उसे क्या कहकर चिढ़ाते थे।
ृात को च्वेल लेंप की काम रोशनी में पढ़ने पर । आँख पर चश्माा लगाया
टाकि सूजे दूर की यह नही लदत्त्की को मालूम्
सूरत बनी लैगूर की कहकर चिढ़ाते थे।
अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में कौन कौन से सवाल उठते थे।
ीकतने बदे़ होगे, कोसे होंगे , क्या क्या 3ाते होगे आदि।
केशव ने श्यामा को अंडे क्यों नही दिखाए ।
अंडे दे3ाने के ाि़लए स्टूल पर चढ़ना पड़ता केसव के डर था कि कहीं श्यामा गिर गई तो हंगामा खड़ा हो जाएगा ।
लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहनती थी।
घहरे रेग के कपड़े पहनना पसंद करती थी।
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दे ः

थमा खिलौने नहीं सुनाती ।
हमें सुखद परियों की बात।
ऐसी बड़ी न होऊ मैं
तेरा स्नेह न खोऊ मैं।

1 कवि और कविता का नाम लिखें।
2 बड़े होने पर मॉ के व्यवहार में क्या परिवर्तन आ जाता है।
3 छोटे रहने में क्या आनंद है
मैं सवसे छोटी होऊँ सेमित्रानंदन पंत
2 माँ नहला धुलकर य्तैयार कर देती है परंतु हमेशा हामारे साथ नही रहती।
3 माँ का साथ और प्यार मिलता रहताहै।

कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है ।

नन्ही चिड़िया खुद को संतोषी क्यों कह रही है
क्योंकि थोड़े से ान्न के दाने उसके लिर र्प्याप्त है।

गीता में सीने और बॉहो को फौलादी क्यों कहा गया है
क्योंकि सी ने में फौलादी इरादे है और बाँहों में उन्हपं पूरा करने की फौलादी ताकत है।
'सागर ने रस्ता छोड़ा परवत ने सीस झुकाया' कवि ने ऐसा क्यों कहा
क्योंकि यदि मनुष्य जव कुछा करने की ठान ले य्तो सभी उसका साथ दतिते है।
पूरक पुस्तिका पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दे ः

मिथिला के राजा कौन थे उनकी क्या प्रतिज्ञा थी।
झनक उनकी प्रतिज्ञा थी कि जो भी शिवजी द्वारा दिए गए धनुष पर प्रत्यंचा चढा देगा सीता का विवाह उसी के साथ होगा।
ताड़का की मृत्यु के बाद वन में क्या परिवर्तन आया

सब ओर हरियाली   पंछी गाने लगे पेड़ झूमने लगे।

निम्नलिखित में से किसी एक पर अनुच्छेद लिखें ः

जब मैं परीक्षा में प्रथम आया

परीक्षा का परिणाम कैस लगा सबसे मिली बधाई आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी ।

दिल्ली की सैर

पिछले रविवार अपने रिश्तेदारों के साथ दिल्ली की सैर   दिल्ली के दर्शनीय स्थलों का वर्णन खूब मौज मस्ती ।

अपने मित्र को आगामी परीक्षा की तैयारी के विषय में बताते हुए पत्र लिखें।

छात्र के प्रतिदिन लेट स्कूल पहुचने पर छात्र और अध्यापक के बीच हुईबातचीत को संवाद के रूप मे ंलिखें।

लखानी चप्पल के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें।

निम्नलिखित चित्र को देखकर उसका वर्णन करें।

उ04 अपने लक्ष्य को पा सकें ।हमें खेलने के समय खेलना चाहिए और मन लगाकर खेलना चाहिए । इसी प्रकार पढ़ने के समय मन लगाकर पढ़ना चाहिए ।

उ05अच्छे तीरंदाज निर्धारित समय

उ0 6 समय का सदुपयोग

चाह नही मैं सुरबाला के
        गहनों में गूँथा जाऊ
चाह नहीं प्रेमी माला में बिंध
प्यारी को ललचाऊ
चाह नहीं सम्राटों के शव पर
हे हरि डाला जाऊ
मुझे तोड़ लेना वनमाली
उस पथ पर देना फेंक
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जाए वीर अनेक

1 पद्यांश में किसके विषय में बात हो रही है।

2 वह क्या क्या करना नहीं चाहता है

3 सम्राटों के शव पर ‘हे हरि ’ कहकर किसे डाला जाता है

4 वनमाली से क्या प्रार्थना की जा रही है ।

5 ‘शीश’और ‘पथ’ शब्द का समानार्थी लिखें।

6 पद्यांश के लिए उचित शीर्षक दे।

उ01 फूल के विषय में बात हो रही है।
उ02 वह सम्राटों के शव पर या सुरबाला के गहनों मे नही गूँथा जाना चाहता है।
उ03 फूल को डाला जाता है।
उ04 वनमाली से फूल को उस पथ पर फेके जाने की प्रार्थना हो रही है जहा से होकर वीर जाते है।
उ05सिर रास्ता
उ06 फूल की चाह।